शम्भु की शरण में | by Prity Mahajan

शम्भू की शरण में अबकी कावड़ लेने जाउंगी
हरिद्वार जाके पावन कावड़ को उठाउंगी

मेरा शिव शंकर देखो बड़ा भोला भाला है
जिसने जो माँगा उसको वही दे डाला है
मन चाहा वर मैं भी भोले जी से पाउंगी
हरिद्वार जाके पावन कावड़ को उठाउंगी

कैलाश पर्वत पे डेरा उसने डाला है
सारे जगत का वही रखवाला है
उसके चरणों में मैं भी सर को झुकाऊँगी
हरिद्वार जाके पावन कावड़ को उठाउंगी

सावन महीना भोले शंकर को मनाऊंगी
बेल पत्र भांग धतूरा भोग मैं लगाउंगी
अपनी भी अर्ज़ी उनके चरणों में लगाउंगी
हरिद्वार जाके पावन कावड़ को उठाउंगी
शम्भू की शरण में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ad%e0%a5%81-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-prity-mahajan/